बुंदेलों का इतिहास

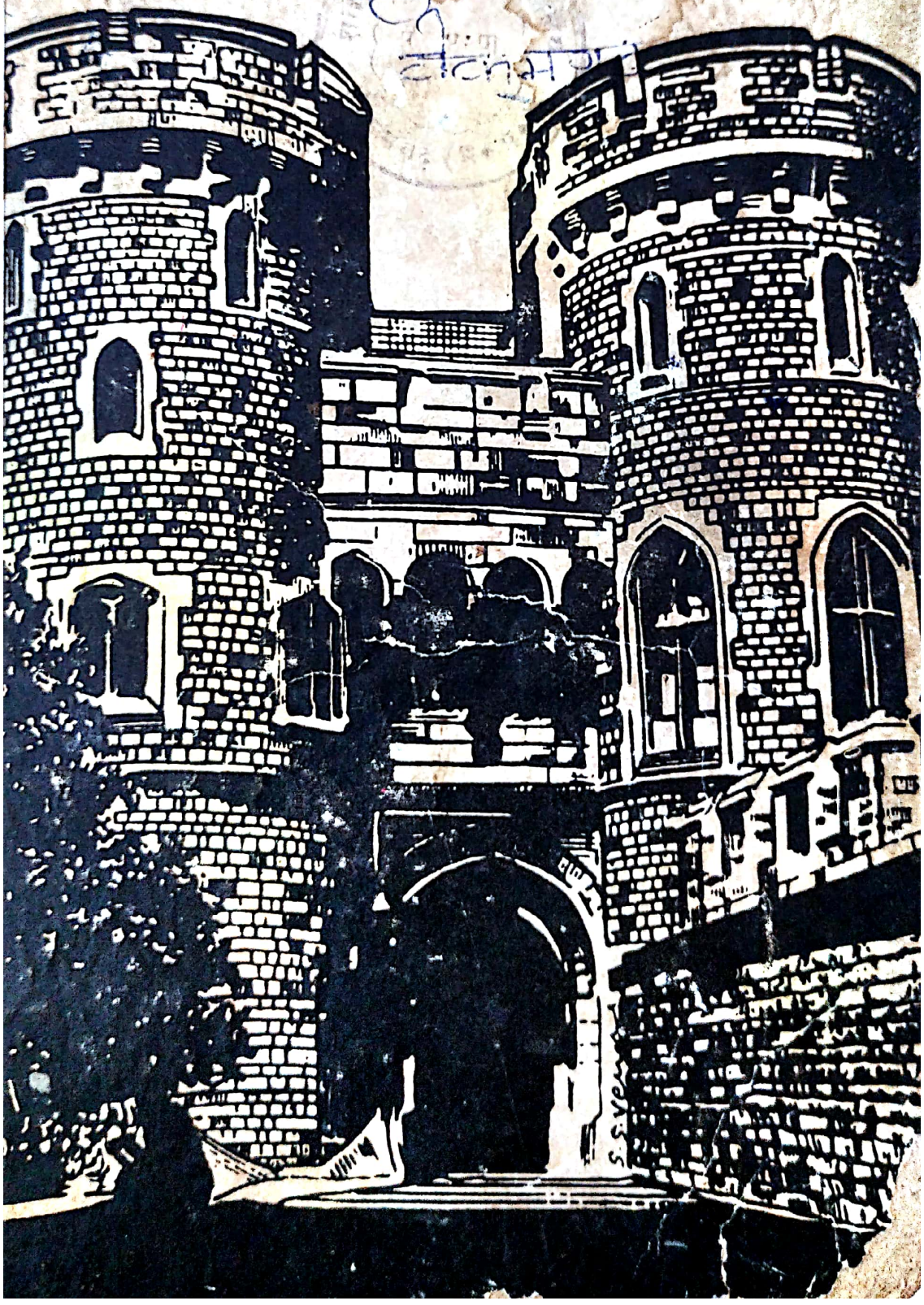

Scanned with OKEN Scanner

बुंदेलों का सम्पूर्ण इतिहास

मूल

विचार प्रकाशन
४१६, भील कुरंजा
दिल्ली-११००५१

Scanned with OKEN Scanner

बुंदेलों का इतिहास

• भगवानदास श्री स्तव
• श्रीभगवान दास वर

जिला पुस्तकालय
परिग्रहण क्र० 14235

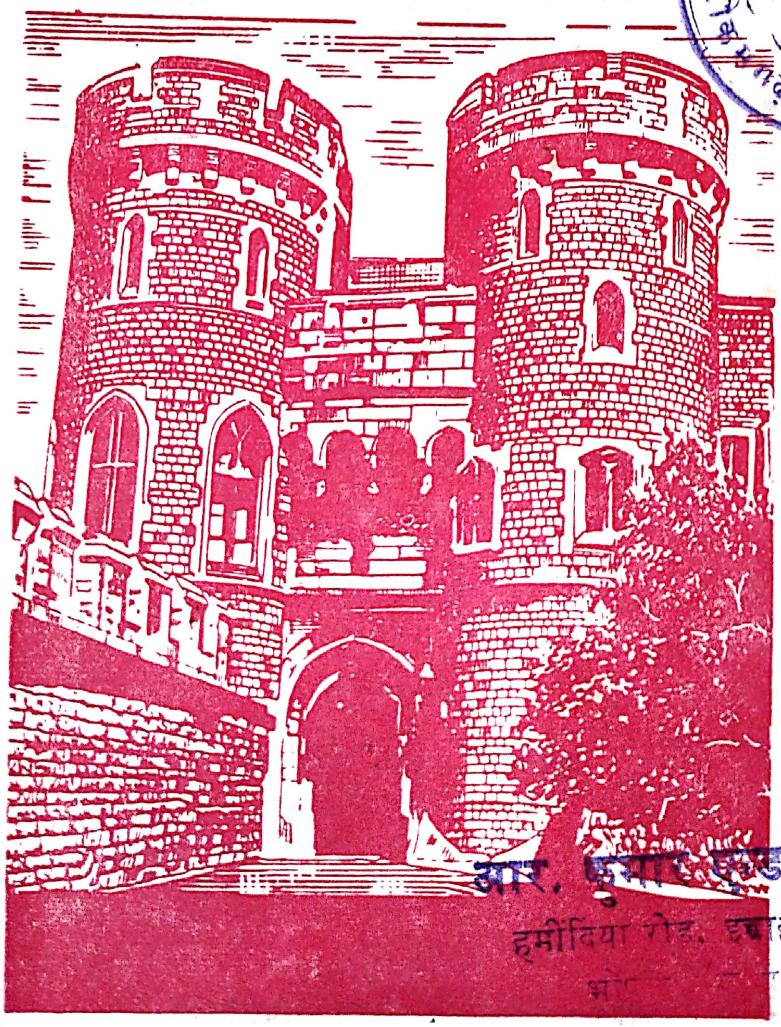

आर. कुमार एण्ड ब्रदर्स
हमीदिया रोड, इब्राहीमगंज
भो)

©
श्री भगवान दास श्रीवास्तव
एवं
श्री भगवान दास खरे

य : चालीस रुपये (४०.००)

प्रथम संस्करण : १९८२

प्रकाशक
विचार प्रकाशन
४१६, झील कुरंजा, दिल्ली-११००५१

छायाकार : एस० एस० वर्मा

मुद्रक : शान प्रिंटर्स, शाहदरा, दिल्ली-३२

Scanned with OKEN Scanner

मध्यप्रदेश शासन साहित्य परिषद

14235

प्रशस्ति-पत्र

श्री भगवानदास खरे

एवं

श्री भगवानदास श्रीवास्तव

को

सन् १९५९–६० के लिए पुरस्कारार्थ घोषित

"बुन्देलों का इतिहास'

विषय के अन्तर्गत

"बुन्देलों का इतिहास"

ग्रंथ पर उनकी साहित्य सेवा की सराहना करते हुए

मध्यप्रदेश शासन साहित्य परिषद

७०० रु. (सात सौ रुपए)

का

'छत्रसाल पुरस्कार'

सम्मानपूर्वक प्रदान करती है।

जिला पुस्तकालय शास० टीकमगढ़ (म०प्र०)

जा. ना. पंडित
सचिव

कैलाश नाथ काटजू
अध्यक्ष

भोपाल दिनांक 1 - 11 - १९६०

Scanned with OKEN Scanner

विषय सूची

बुन्देलों की उत्पत्ति ९-१९

बुन्देल भूमि का भौगोलिक महत्व २०-२१

बुन्देलों से पूर्व २२-२६

वीरसिंहदेव का काल २७-५९

जुझारसिंह, भगवान राव, राव चंपतराय, ओरछा, सुजानसिंह, इन्द्रमणि, यशवंतसिंह, भगवन्तसिंह, उदीतसिंह, दतिया (शुभकरण), दलपतराव, चंदेरी।

छत्रसाल का काल ६०-९९

वांसा युद्ध, तहव्वर खां से युद्ध, छत्रसाल और बंगश, छत्रसाल और पेशवा राज्य का विभाजन तथा मृत्यु।

उत्तर बुन्देले १००-१५१

जैतपुर, ओरछा, चंदेरी, दतिया, शाहगढ़, गुरसराय, पन्ना, चरखारी, अजयगढ़, विजावर, सरीला, जसो, लुगासी, खनियाधाना, अष्ठ भैया जागीर, घुरवई, बिजना, टोड़ी फतेपुर, जिगनी, गरौली, समथर, छतरपुर, कालिन्जर, मैहर, बरोंधा, सोहावल, कोठी, नागोद, तरोंहा।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम १५२-१७६

सागर में विद्रोह, बानपुर के विद्रोही राजा मर्दनसिंह, विद्रोह के बाद, विजावर।

बुन्देलों की संस्कृति १७७-१८७

साहित्य।

ग्रंथ में प्रयुक्त ऐतिहासिक सामग्री १८८-१८९

Scanned with OKEN Scanner